बिजनेस ओनर और बिजनेस लीडर को समझना जरूरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय ओनरशिप पर फोकस करना चाहिए। उन्हें समझना होगा कि उनके सामने आने वाले अवसरों को वे किस प्रकार से भुना सकते हैं और कैसे अपने लिए नए रास्ते बना सकते हैं। साथ ही बिजनेस ओनर्स शब्द के महत्व को भी समझना होगा। युवाओं को यह समझना जरूरी है कि बिजनेस ओनर और बिजनेस लीडर के बीच क्या है। यह बात शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रायपुर में आयोजित 8वां लीडरशिप समिट कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कमोलिका गुप्ता ने कही। कमोलिका गुप्ता सर्विसनाउ की पूर्व ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। विद्यार्थियों को समझाने के लिए उन्होंने एक कहानी भी साझा की। बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स" थीम पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न उद्योगों के प्रमुख कार्पोरेट नेता और विशेषज्ञ एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एर्गोड के संस्थापक और सीईओ रूपेश संघवी थे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, निर्णायक कार्रवाई करें, अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ और सुसंगत रहें। आइआइएम के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने संगठनात्मक मूल्य और कर्मचारियों के विकास में नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर कहा। उन्होंने कहा, "नेतृत्व प्रभावी प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो संगठन के संसाधनों का उपयोग करके उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। प्रभावशाली नेता कर्मचारियों को प्रेरित और मार्गदर्शन करते हैं, जो उनके करियर विकास के लिए भी लाभदायक है।"

आइआइएम में आयोजित लीडरशिप समिट का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते अतिथि। ● संस्थान प्रबंधन

सम्मेलन का आज आखिरी दिन: रविवार को सम्मेलन का आखिरी दिन है। इसमें "तकनीकी नेतृत्व की बदलती गतिशीलता," "जब लाभ का मेल उद्देश्य से होता है: साझा मूल्य निर्माण की क्रिया," "पुलों का निर्माण" जैसी थीम्स पर चर्चा की जाएगी, जिसमें सम्मानित वक्ता अपने मूल्यवान ज्ञान और अनुभव साझा करेंगे। समापन गोल्डमेडल इंडिया के सीएचआरओ प्रवीण महादेवन द्वारा समापन भाषण के साथ होगा।

Naiduniya 05